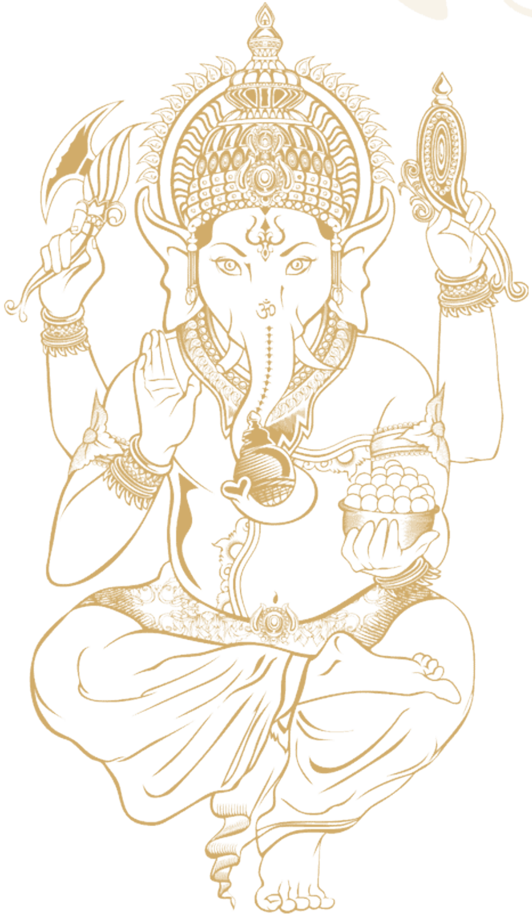

G

19 Mar 2026

12:24 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121745502

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**19/03/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**12:24:00 घंटे**
इष्ट	14:53:07 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:02:52 घंटे
वेलान्तर	-00:07:47 घंटे
साम्पातिक काल	23:50:13 घंटे
सूर्योदय	06:26:45 घंटे
सूर्यास्त	18:31:36 घंटे
दिनमान	12:04:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	04:27:18 मीन
लग्न के अंश	15:53:20 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शुक्ल
करण	किंस्तुघ्न
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	थ-थाकोरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:53:20	318:09:51	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मीन	04:27:18	00:59:41	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मीन	07:26:32	14:01:55	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	18:55:13	00:47:11	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
बुध	व		कुंभ	14:22:59	00:09:17	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
गुरु			मिथु	20:58:12	00:01:35	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	21:42:57	01:14:19	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	09:44:13	00:07:28	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:44:14	00:01:40	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:44:14	00:01:40	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:01:57	00:02:08	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:29:53	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:45:09	00:01:16	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	03:06:47	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

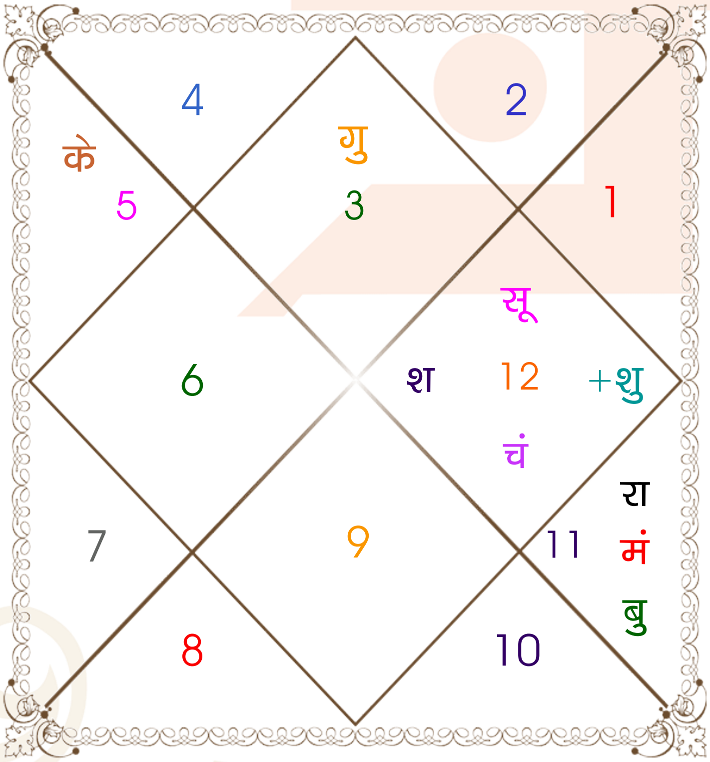

चन्द्र कुंडली

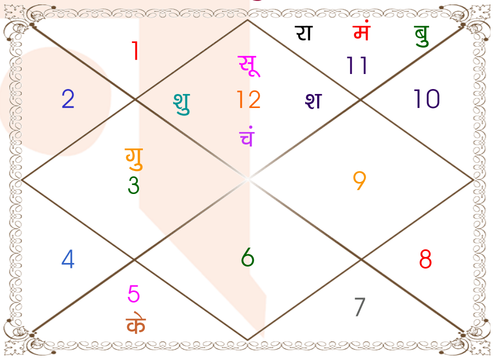

नवमांश कुंडली

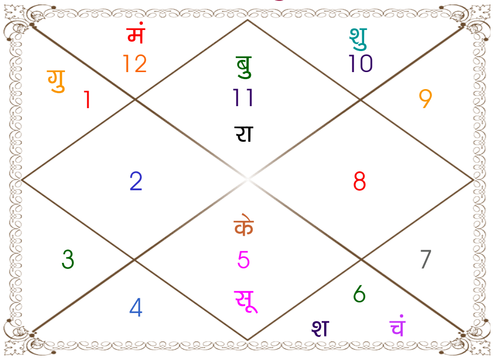

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 13 वर्ष 1 मास 22 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
19/03/2026	11/05/2039	10/05/2056	11/05/2063	11/05/2083
11/05/2039	10/05/2056	11/05/2063	11/05/2083	11/05/2089
00/00/0000	बुध 07/10/2041	केतु 07/10/2056	शुक्र 10/09/2066	सूर्य 29/08/2083
19/03/2026	केतु 04/10/2042	शुक्र 07/12/2057	सूर्य 10/09/2067	चंद्र 27/02/2084
केतु 02/03/2027	शुक्र 04/08/2045	सूर्य 13/04/2058	चंद्र 11/05/2069	मंगल 04/07/2084
शुक्र 02/05/2030	सूर्य 10/06/2046	चंद्र 13/11/2058	मंगल 11/07/2070	राहु 29/05/2085
सूर्य 14/04/2031	चंद्र 10/11/2047	मंगल 11/04/2059	राहु 10/07/2073	गुरु 17/03/2086
चंद्र 12/11/2032	मंगल 06/11/2048	राहु 28/04/2060	गुरु 10/03/2076	शनि 27/02/2087
मंगल 22/12/2033	राहु 26/05/2051	गुरु 04/04/2061	शनि 11/05/2079	बुध 04/01/2088
राहु 28/10/2036	गुरु 31/08/2053	शनि 14/05/2062	बुध 11/03/2082	केतु 10/05/2088
गुरु 11/05/2039	शनि 10/05/2056	बुध 11/05/2063	केतु 11/05/2083	शुक्र 11/05/2089

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
11/05/2089	11/05/2099	12/05/2106	11/05/2124	11/05/2140
11/05/2099	12/05/2106	11/05/2124	11/05/2140	00/00/0000
चंद्र 11/03/2090	मंगल 07/10/2099	राहु 22/01/2109	गुरु 30/06/2126	शनि 15/05/2143
मंगल 10/10/2090	राहु 26/10/2100	गुरु 18/06/2111	शनि 10/01/2129	बुध 22/01/2146
राहु 10/04/2092	गुरु 02/10/2101	शनि 24/04/2114	बुध 18/04/2131	केतु 20/03/2146
गुरु 10/08/2093	शनि 10/11/2102	बुध 10/11/2116	केतु 24/03/2132	00/00/0000
शनि 11/03/2095	बुध 08/11/2103	केतु 28/11/2117	शुक्र 23/11/2134	00/00/0000
बुध 10/08/2096	केतु 05/04/2104	शुक्र 28/11/2120	सूर्य 11/09/2135	00/00/0000
केतु 11/03/2097	शुक्र 05/06/2105	सूर्य 23/10/2121	चंद्र 10/01/2137	00/00/0000
शुक्र 09/11/2098	सूर्य 11/10/2105	चंद्र 24/04/2123	मंगल 17/12/2137	00/00/0000
सूर्य 11/05/2099	चंद्र 12/05/2106	मंगल 11/05/2124	राहु 11/05/2140	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 13 वर्ष 1 मा 9 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से

कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।